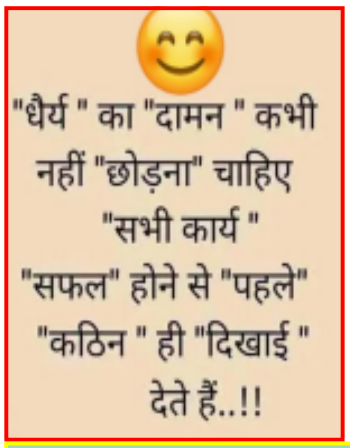

"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 16 अंक : 37 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 26 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2024 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

ये चुनाव तीन परिवारों का शासन समाप्त करने वाला है: अमित शाह

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के मेंढर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि 1947 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ लड़े गए हर युद्ध में, इसी भूमि, जम्मू–कश्मीर के सैनिकों ने भारत की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक में जब फारूक अब्दुल्ला के सौजन्य से आतंकवाद ने प्रवेश किया, तो यह मेरे पहाड़ी, गुर्जर और बकरवाल भाई ही थे जिन्होंने सीमाओं पर बहादुरी से गोलियों का सामना किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये चुनाव, जम्मू–कश्मीर में तीन परिवारों का शासन समाप्त करने वाला है। अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू–गांधी परिवार... इन तीनों परिवारों ने यहां जम्हूरियत को रोक कर रखा था। अगर 2014 में मोदी जी की सरकार न आती तो पंचायत, ब्लॉक, जिले के चुनाव नहीं होते।

शाह ने दावा किया कि जम्मू–कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू–गांधी परिवार ने 90 के दशक से लेकर अब तक दशहतगर्दी फैलाई। आज नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने जम्मू–कश्मीर से दशहतगर्दी को समाप्त किया है। यहां के युवाओं के हाथ में पत्थर की जगह लैपटॉप दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी के आने बाद ओबीसी, पिछड़ों, गुर्जर बकरवाल और पहाघड़ियों को आरक्षण मिला। जब मैंने बिल पेश किया, तो फारूक अब्दुल्ला की पार्टी ने विरोध किया और यहां गुर्जर भाइयों को भड़काना शुरू किया। जब मैं राजौरी आया था, तब मैंने वादा किया था कि हम गुर्जर भाइयों के आरक्षण को कम नहीं करेंगे और पहाड़ियों को भी आरक्षण देंगे... और हमने आपना वो वादा निभाया। कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस पर वार करते हुए शाह ने कहा कि इन लोगों ने कहा है कि हम आरक्षण समाप्त करेंगे, जबकि हम (भाजपा) कह रहे हैं कि हम प्रमोशन में भी गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण देंगे। उन्होंने कहा कि 90 के दशक में जम्मू कश्मीर में कितनी गोलीबारी होती थी, याद है न आपको... अब गोलीबारी होती है क्या?

शिवधाम कैलाश मानसरोवर तिब्बत फ्रीडम एशोसियेशन का त्रिदिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में मेजर जनरल जी डी बाक्षी का खास संदेश

नई दिल्ली। कैलाश मानसरोवर तिब्बत तिब्बत फ्रीडम एसोसिएशन ने द्वारका के आईटीसी होटल में त्रिदावशीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया कार्यक्रम में खास तौर पर पहुंचे मेजर जनरल जीडी बक्शी तथा देशभर से आये सैकड़ों प्रतिनिधियों तथा शिवभक्तों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जी

डी बक्सी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि कैलाश मानसरोवर तिब्बत फ्रीडम एसोसिएशन ने यह अनूठी पहल की है। एक छोटे कदम से दस हजार योजन की शुरुआत होती है। मघबेंद्र जी के यह छोटा सा प्रयास एक दिन देश के कोने–कोने तक पहुंचेगी और वह दिन दूर नहीं जब हमें कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए चीन से वीजा लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप को बता दे इस के बाद उदघाटन सत्र का शुभारंभ करते हुए मुख्झातिथि प्रसिद्ध रामकथा वाचक आचार्य शांतनु महाराज ने कहा कि तिब्बत की आज़ादी और कैलाश मानसरोवर की मुक्ति के लिए हो रहे इस शंखनाद की गूंज भारत के गांव गांव तक पहुंचनी चाहिए। इस आंदोलन को निःस्वार्य और दूढ़ मन से जुड़े लोगों की आवश्यकता इसलिए है कि यह विषय राम मंदिर आंदोलन की तरह घर गांव की हर चौखट तक पहुंच सके। शांतनु महाराज ने रामकथा के अनेक प्रसंगों को आन्दोलन से जोड़ते हुए कहा कि जिस तरह से लंका में पुल बांधने के लिए गिलहरी का भी योगदान था वैसे ही हम आमजनों का योगदान होना चाहिए। कैलास मानसरोवर की मुक्ति के लिए मजबूत संकल्प की आवश्यकता है। शांतनु महाराज ने संगठन के राष्ट्रीय संयोजक मानवेन्द्र सिंह मानव की कुशलता को देखकर उनको अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन सभी ने किया। दुबई से आये डॉ आचार्य हरिगुप्त को अंतरराष्ट्रीय समन्ध्यक का दायित्यू प्रदान करने का प्रस्ताव भी बैठक रखा गया, जिसे सर्वसम्मृति से पारित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष स्वामी सुशील गिरी जी महाराज ने कहा कि अगर लक्ष्य को जल्दी प्राप्त करना है तो इस आंदोलन को घर घर तक ले जाने की जरूरत है। सनातन संस्कृति के लिए यह आंदोलन संजीवनी का काम करेगा। उन्होंने कहा कि दुनियां के लोगों को सनातन संस्कृति समझ में आने लगी है। शिवधाम कैलाश मानसरोवर तिब्बत फ्रीडम एशोसियेशन को युवाओं का नेतृत मिला है और ये राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत युवा ही इस आन्दोलन की नीव है। युवा जोश जब किसी आंदोलन की धार देता है तब उसके परिणाम निश्चित ही सफलता की ओर ले जाता है। कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न प्रान्तों से आये कर्नल पूरन सिंह राठौर, प्रोफेसर विजय कॉल, प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह, अरविन्द्र केसरी, सहामी गोविन्द्रदास जी महाराज वाराणसी संत कबीर जनस्थली दुबई से कार्यक्रम के लिए पधारे डॉ आचार्य हरिगुप्त, डॉ अविनाश सहित अनेक गणमान्ध लोगों ने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन सुमित सिंह ने किया।

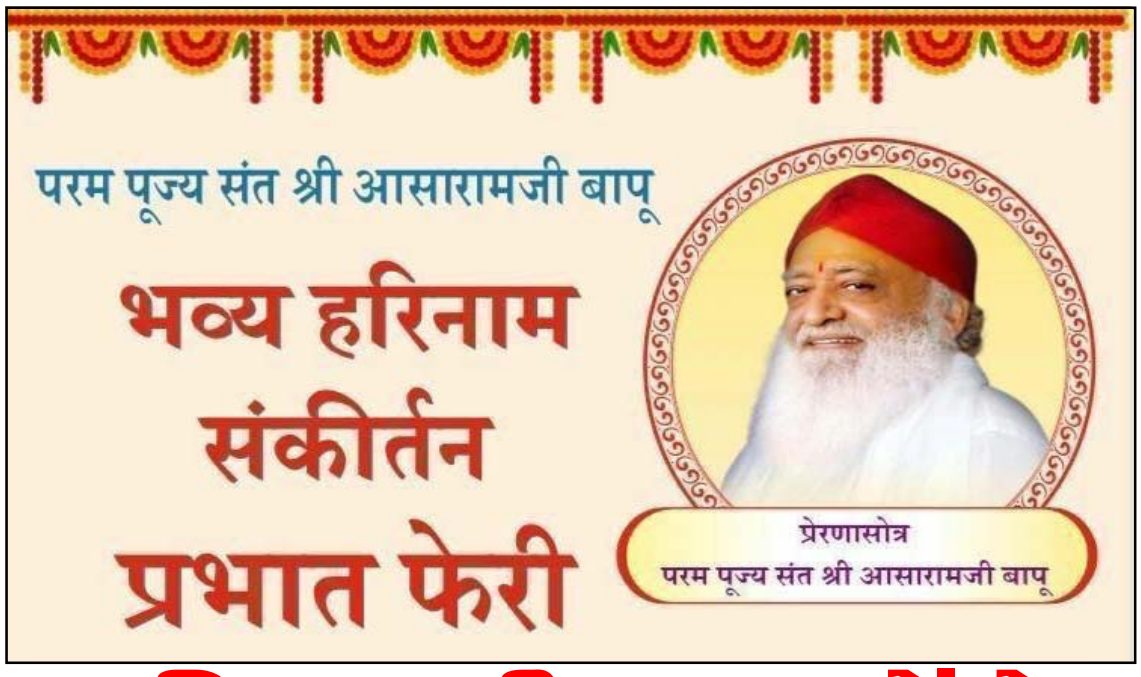

सृष्टि आपकी भावनाओं के ज़रिये आपसे संवाद करती है

सृष्टि ज़िंदगी में हर पल आपका मार्गदर्शन कर रही है और आपसे संवाद कर रही है। यह आपके विचारों पर प्रतिक्रिया कर रही है और आपकी भावनाओं के ज़रिये आपको अमूल्य फ़ीडबैक दे रही है। सृष्टि आपकी भावनाओं के ज़रिये आपसे संवाद करती है! अच्छी भावनाओं का मतलब है, यह आपके लिए अच्छा है। बुरी भावनाएँ आपको सतर्क करती हैं कि आपका ध्यान जिस बात पर केंद्रित है, उसे बदल दें। हर दिन अपने साथ हो रहे सृष्टि के संवाद के साथ तालमेल बैठाएँ। आप कभी अकेले नहीं हैं, पल भर के लिए भी नहीं। परमात्मा प्रकृति सृष्टि हर कदम पर आपके साथ है और आपका मार्गदर्शन कर रही है। लेकिन आपको बस उसकी बात सुननी होती है!आपके भीतर जो भी भावनाएँ होती हैं, वही आपके आने वाले कल को आकृष्ट कर रही हैं।

चिंता अधिक चिंता को खींचती है। तनाव अधिक तनाव को खींचता है। दुख अधिक दुख को आकृष्ट करता है। असंतोष अधिक असंतोष को आकृष्ट करता है। प्रसन्नता अधिक प्रसन्नता को लुभाती है। आनंद अधिक आनंद को आकर्षित करता है। शांति अधिक शांति को आकर्षित करती है। कृतज्ञता अधिक कृतज्ञता को आकर्षित करती है। दयालुता अधिक दयालुता को आकर्षित करती है। प्रेम अधिक प्रेम को आकर्षित करता है।

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कालेज द्वारा निःशुल्क सामुदायिक आरोग्य शिविरों की श्रृंखला का शुभारंभ

चॅरिटी कमिशनर मुंबई और राज्य स्तरीय विशेष चिकित्सा सहायता डेस्क, उप मुख्यमंत्री (गृह/कानून एवं न्याय) कार्यालय मंत्रालय मुंबई के समन्वय से, महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठ ने नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को 1 सितंबर से 31 अक्टूबर 2024तक सामुदायिक आरोग्य शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया है। इस सामाजिक आरोग्य शिविर में मरीजों की स्क्रीनिंग, रक्त जांच एवं ईसीजी निःशुल्क की जाएगी। महात्मा फुले योजनाओं की जानकारी भी दी जायेगीस साथ ही, यदि बीमारी का निदान किया जाता है, तो रोगियों का इलाज विभिन्न सरकारी योजनाओं, धर्मार्थ अस्पतालों, सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के माध्यम से किया जाएगा। तदनुसार, नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज ने 2 सितंबर 2024 को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक ष गास डोंगरी आदिवासी पाड़ाष में मुफ्त सामुदायिक स्वास्थ्य शिविरों की श्रृंखला की शुरुवात की, जिसमें 96 रोगियों की जांच की गई और उन्हें आयुर्वेदिक दवाएं देकर उनका, रक्त परीक्षण और ईसीजी किया गया। .

संस्था के कार्यकारिणी बोर्ड द्वारा पालघर जिले के 30 आदिवासी पाड़ा मेंष्सामाजिक स्वास्थ्य शिविरष आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठ नाशिक के पालघर जिला समन्वयक डॉ.सरिता पासी, स्वस्थ्यवृत्त विभाग के प्राध्यापक डॉ राहुल सोनकांबले , डॉ.निलेश तिवारी, डॉ.प्रियंका विश्वकर्मा, डॉ.मीनल जोशी आदि प्राध्यापक एवं महाविद्यालय के इंटर्न्स ने सफलतापूर्वक कार्य किया। शिविर की योजना हेतु सोपारा सार्वजनिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम जुनगरे इनका सहयोग प्राप्त हुआ स महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे, ट्रस्टी डॉ. ऋजुता दुबे एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हेमलता शेंडे इनके मार्गदर्शन में सभी कार्यक्रम संपन्न होंगे।

अभियंता दिवस की सभी को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं

आओ मिलकर सभी अभियंता दिवस मनाएं ।
आज इस मौके पर अभियांत्रिकी की गाथा गाएं ।।
अभियंताओं ने एक से बढ़कर एक किए आविष्कार।
बिजली का किया आविष्कार दूर हुआ अंधकार।।
सिंचाई के काम आ रही पानी पंप की रफ्तार।
हो रहा कृषि क्षेत्र में विस्तार।। सोलर बिजली लाकर दुनिया में धूम मचाई।
जिन गांवों में बिजली खंबे नहीं जा सकते वहां सोलर ऊर्जा से रोशनी करवाई।।
जंगल में भी मंगल करके जगमगाती बिजली रानी।
वाह रे अभियंताओं तेरी
वाकई तेरी अभियांत्रिकी की गाथा जरूरी है गानी।।
समुद्रों और नदियों में पुल और बांध बनाए।
टेलीफोन, टेलीविजन, मोबाइल और वीडियो कांफ्रेंसिंग तकनीकी लेकर आए।।
आओ मिलकर सभी अभियंता दिवस मनाएं ।
आज इस मौके पर अभियांत्रिकी की गाथा गाएं ।।
लंबी लंबी यात्रा घंटों में करवाते।
हवाई जहाज और हैलीकॉप्टर इसलिए बनवाते।।
समुद्र और नदियों में भी अपनी तकनीकी फैला दी।
पनडुब्बी, स्टीमर और जलयान बना दी।।
धरती पर रहकर भी चांद और तारों से मिलवाया।
ऐसा क्या नहीं है जो तुमने नहीं बनाया।।
मेल आइ डी से दुनिया की जानकारी कराते हो।
फेसबुक से देखो तो घर बैठे मित्र बनवाते हो।।
वाट्स अप के तो क्या कहना
घर बैठे बैठे चौटिंग करवाते हो।
इतने पर भी हिम्मत न हारी वीडियो काल पर मिलवाते हो।।
आओ मिलकर सभी अभियंता दिवस मनाएं।
आज इस मौके पर अभियांत्रिकी की गाथा गाएं।।

इंजीनियर
हरि प्रकाश गुप्ता सरल

हिंदी की महिमा

गंगा–जमुना और सरस्वती नदियों का संगम है सबसे प्यारा।
सभी भाषाओं की कद्र होती , वह षहिंदीष वाला ष्भारतष देश हमारा ।।
हिंदी की जननी संस्कृत भाषा हिंदी शब्द का आविष्कारक
अमीर खुसरो श्जिसे जानता जग सारा।
आधुनिक षहिंदीष साहित्य के जनक
भारतेंदु हरिश्चंद्र ऐसा हिंदी वाला देश हमारा।।
जहां जन्मे गांधी जी, श्री टैगोर जी, श्री राजगोपालाचारी जी और नेता सुभाष जी, जिन्होंने बनाया षहिंदीष वाला भारत देश हमारा।
आज हर घर – घर की प्यारी भाषा बन गई है वो हिंदी का भारत देश हमारा ।।
महादेवी वर्मा हिंदी की आधुनिक युग की पहली कवियत्री, जिन्हें आधुनिक मीरा के नाम से भी जाना जाता है।
हिंदी की भी अनेकों उपभाषाएं हैं ,
जिन्हें क्षेत्रीय अनुसार बोला जाता है।।
गांधी जी ने देश विदेशों मेंषहिंदीष में भाषण देकर हिंदी की आन और शान बढ़ाई।
नेता सुभाष जी ने आजाद हिंद फौज की स्थापना करवाई।।
अहिंदी भाषा वालों को षहिंदीष का ज्ञान करवाया।
हिंदी भाषा ने ही देश भक्ति में अपना परिचम लहराया।।
गंगा–जमुना और सरस्वती नदियों का संगम है सबसे प्यारा।
सभी भाषाओं की कद्र होती , वह षहिंदीष वाला ष्भारतष देश हमारा ।।
आज हिंदी भाषा की महिमा विदेशी भी जान गए।
इसलिए हिंदी सीखने भारत में आ गए।।
हिंदी की शिक्षा लेकर हिंदी में लिखना शुरू किए।
राम कृष्ण की महिमा को हिंदी में बखान शुरू किए।।
हिंदी मधुर –मधुर भाषा बच्चों को भी सिखलाओ।
गांव–गांव और शहर –शहर के हर घर तक पहुंचाओ।।
शुरू कर दिया यह काम अनोखा
गंगा–जमुना और सरस्वती नदियों का संगम है सबसे प्यारा।
सभी भाषाओं की कद्र होती , वह हिंदीष वाला भारत देश हमारा।।

हरि प्रकाश गुप्ता सरल
भिलाई छत्तीसगढ़

मुलुंड में गणेश विसर्जन में दिखी हिन्दु मुस्लिम एकता की मिसाल

मुंबई। मुलुंड प.पर केशव पाड़ा के सामने,पी.के.रोड पर स्थित समाजसेवी रज्जाक भाई के कार्यालय पर गणेश विसर्जन कार्यक्रम के दौरान शाम 4 बजे से रात्रि 12बजे तक गणेश भक्तों के लिए वडा पाव एवम शर्बत वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर संजय दीना

पाटील (सांसद),मनोज कोटक (पुर्व सांसद),चरण सिंह सप्रा(कार्याध्यक्ष मुंबई कांग्रेस),डॉ.बाबुलाल सिंह (वरिष्ठ कांग्रेस नेता),किशोर मुंडेकल (सचिव मुंबई कांग्रेस),शिवसेना नेता संजय मशीलकर,पुर्व नगर सेविका समिता विनोद कांबले, कन्हैयालाल गुप्ता(अध्यक्ष रा.कां.पा.मुलुंड),कांग्रेस नेता डॉ.सचिन सिंह,पितांबर साहू,शिवसेना नेता गणेश सिंह रावत,समाजसेवक मनोज सिंह,मैथ्यु चेरियन,शरीफ खान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।एवम भक्तों को वड़ा पाव एवम शर्बत वितरीत किया। यह कार्यक्रम लगातार 10 वर्षों से चल रहा है। रज्जाक भाई हर वर्ष हिंदू–मुस्लिम एकता की मिसाल पेश करते हुए मुलुंड में सद्भावना की मिसाल पेश करते हैं। इसलिए मुलुंड के सभी दलों के नेता इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होते हैं। इस अवसर पर लगभग दस हजार श्रद्धालुओं ने सेवा का लाभ उठाकर रज्जाक भाई को दिल से धन्यवाद दिया।

कुन्ती ने भगवान से दुखभरा जीवन मांगा जिससे कृष्ण का साथ न छूटे

कथा व्यास प्रवीण पाण्डेय
जौनपुर संवाददाता

जौनपुर। जौनपुर से 22 किमी दूर खलीलपुर गाँव में चल रही भागवत कथा में भागवताचार्य पं प्रवीण पाण्डेय ने बताया कि दुनिया वाले भगवान से सुख कामना की ईच्छा करते है जबकि कुन्ती ने भगवान से दुखभरा जीवन ही मागा जिससे कृष्ण का साथ कभी न छूटे। बता दे कि दुख अपने और पराये की पहचान कराती है ।क्योकि दुख रहने पर जीह्वा हमेशा कृष्ण कृष्ण की रट लगाते है और सुख आने पर कृष्ण का साथ छूटने का भय बना रहता है ।युधिष्ठिर ने सत्य और धर्म से साथ न छूटे का आशिर्वाद मागा।, भीमसेन ने नाम स्मरण का, अर्जुन ने गुरू और शिष्य का, सहदेव और नकुल ने भी गुरू शिष्य का , तथा द्रोपदी ने सखा सखी का आशिर्वाद मागा । कथा में आगे

भक्तमाल की कथा सुनाई जिसमें कर्मा वाई ने भगवान जगन्नाथ को प्रतिदिन भोग लगाती । कथा में वेद की रचना व्यास जी ने की जो सुखदेव को प्रदान किया , परीक्षित का जन्म , उत्तरा के गर्भ की रक्षा ,परीक्षित को लगे श्राप से मुक्ति व उध्दार का मार्ग, भागवत कथा के श्रवण की प्रेरणा , कलि का निवास जैसे कई प्रसंग सुनाये ।कथा तीनो तापो से मनुष्य को मुक्त कराती है। जिसके जीवन के भाग्य उदय होते है वही गोविंद की कृपा से भागवत कथा का आयोजन कर पाता है । कथा का सुन्दर आयोजन होने से दूर दूर के भक्त कथा श्रवण का लाभ उठाने आ रहे है।

अच्छी थी, पगडंडी अपनी,
सड़कों पर तो, जाम बहुत है!

फुर्र हो गई फुर्सत, अब तो,
सबके पास, काम बहुत है!

नहीं जरूरत, बूढ़ों की अब,
हर बच्चा, बुद्धिमान बहुत है!

उजड़ गए, सब बाग बगीचे,
दो गमलों में, शान बहुत है!

मट्ठा, दही, नहीं खाते हैं,
कहते हैं, जुकाम बहुत है!

पीते हैं, जब चाय, तब कहीं,
कहते हैं, आराम बहुत है!

बंद हो गई, चिट्ठी, पत्री,
व्हाट्एप पर, पैगाम बहुत है।

आदी हैं, ए.सी. के इतने,
कहते बाहर, घाम बहुत है।

झुके–झुके, स्कूली बच्चे,
बस्तों में, सामान बहुत है।

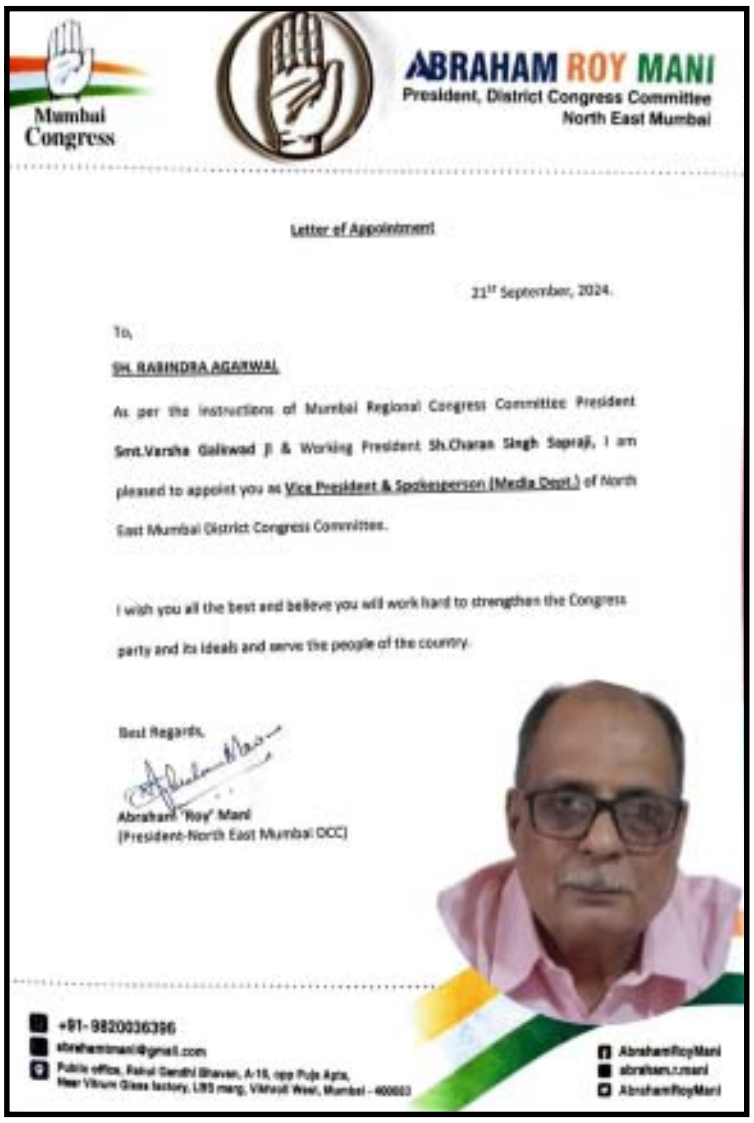

नही बचे, कोई सम्बन्धी,
अकड़, ऐंठ, अहसान बहुत है।

सुविधाओं का, ढेर लगा है,
पर इंसान, परेशान बहुत है!

Mumbai Congress

ABRAHAM ROY MANI
President, District Congress Committee
North East Mumbai

Letter of Appointment

21st September, 2024.

To,

SH. RABINDRA AGARWAL

As per the instructions of Mumbai Regional Congress Committee President Smt.Varsha Gaikwad Ji & Working President Sh.Charan Singh Sapraji, I am pleased to appoint you as Vice President & Spokesperson (Media Dept.) of North East Mumbai District Congress Committee.

I wish you all the best and believe you will work hard to strengthen the Congress party and its ideals and serve the people of the country.

Best Regards,

Abraham "Roy" Mani
(President-North East Mumbai DCC)

+91-9820036396

गज़ल

मेरी बर्बादियों में है नहीं कुछ दोष कम मेरा
बिछाता है मेरी राहों में काँटे खुद अहम मेरा

अगर बढ़ता रहा यूँ रात–दिन खुद पर सितम मेरा
परेशाँ हो के खुद ही छोड़ देगा साथ दम मेरा

लिखा होगा किसी का साथ मेरे भी मुकद्दर में
कोई तो आएगा बनने किसी दिन हमक़दम मेरा

यही बोलेगा हर आशिक, किसी से पूछ कर देखो
जहां में चाँद का टुकड़ा तो बस इक है सनम मेरा

बिछाते क्यों फिरा करते हैं हर दम राह में रोड़े
कभी तो साथ दीजै ज़िन्दगी में मोहतरम मेरा

नहीं हीरा मेरा दुश्मन मगर दुश्मन बना है वो
मेरा अपना ही करना चाहता है सर क़लम मेरा

हीरालाल यादव हीरा

गुनाह ए इश्क़ चलो हम भी कर के देखते हैं
हदों से जिस्म की आगे गुज़र के देखते हैं

किसी हसीँ की अदाओं पे मर के देखते हैं
कि अक्स उसका निगाहों में भर के देखते हैं

किनारे बैठ के लहरों को क्यों गिना जाए
नदी में इश्क़ की ग़हरे उतर के देखते हैं

सुकून ओ चौन जहाँ हर घड़ी मयस्सर हो
जहां में ख़्वाब सभी ऐसे घर के देखते हैं

जहान भर की मुरादें जो पूरी करता है
उसी से आस चलो हम भी कर के देखते हैं

किया न हमने नया कुछ हो क्यों ख़फ़ा लोगों
हसीन ख़्वाब सभी हमसफ़र के देखते हैं

सुहाती मुख से नहीं उनके अम्न की बातें
जो लोग ख़्वाब हमेशा ग़दर के देखते हैं

उदासी ओढ़ के बैठी है ज़िन्दगी हीरा
ख़ुशी के रंग नये इसमें भर के देखते हैं

–हीरालाल यादव हीरा

हॉकी, भारत के दिल की धड़कन...

क्रिकेट में जब भारत चौंपियन होता है तो खूब डांस होता है, छोटे–बड़े कस्बा एवं शहरों में नगाड़ा बजाकर जुलूस निकलता है...खूब मौज मस्ती होती है... बाकी सब कमियां प्रदेश सरकार एवं केंद्रीय सरकार (दोनों के अलग–अलग) के लाखों/ करोड़ों इनाम से पूरा हो जाती है मगर मित्र/प्रिय भारत के राष्ट्रीय खेल हॉकी **(Hockey)** के लगातार दो बार ओलंपिक पदक विजेता होने पर एवं तदोपरांत फिर दो दिनों पूर्व एशियाई चौंपियन होने पर जश्न फीका पड़ रहा है...सभी लोग थोड़ा शांत लग रहे हैं...सभी अन्य खेल स्पर्धाओं **(Other Events)** का क्रिकेटिकरण **(Cricketization)** न करें...अगर क्रिकेट लोकप्रिय एवं परंपराओं से जुड़ा हुआ है तो हॉकी हॉकी (स्वाभिमान), भारत के दिल की धड़कन है.... सभी में जश्न मनाइए .....

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार –खेलकूद एवं विज्ञान (गोरखपुर)....

भारतीय क्रिकेट टीम को वर्ल्डकप जितने की हम बधाई दे रहे

लेकिन हम भारतीय हॉकी टीम को चीन को रौंदकर चैम्पियन ट्रॉफी जितने की बधाई नहीं दे रहे

सम्पादकीय...

इस्तीफे का फैसला अप्रत्याशित

केजरीवाल का इस्तीफे का फैसला अप्रत्याशित है। वे एक तीर से कई निशाने साध रहे हैं। भ्रष्टाचार पर जवाब दे रहे हैं और सहानुभूति बटोर रहे हैं। राजनीति में मतदाताओं और अपने प्रतिद्वंद्वियों को चौंकाने का या अप्रत्याशित निर्णय करने का अपना महत्व होता है। अरविंद केजरीवाल इसे बहुत अच्छी तरह से समझते हैं। तभी वे अक्सर अपने फैसलों से चौंकाते रहते हैं। याद करें कितनी मेहनत करके उन्होंने दिसंबर 2013 में कांग्रेस से तालमेल किया था। जिसके खिलाफ लड़े थे उसी के आठ विधायकों की मदद लेकर सरकार बनाई और लगा कि सब कुछ ठीक चल रहा है तो उन्होंने महज 49 दिन के बाद ही इस्तीफा दे दिया। वह इस्तीफा अप्रत्याशित था और उसके बाद फरवरी 2015 में हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो बहुमत मिला वह भी अप्रत्याशित था। इसी तरह से केजरीवाल के इस बार के इस्तीफे का फैसला भी अप्रत्याशित है। आमतौर पर माना जा रहा था कि वे गिरफ्तार होंगे या जेल जाएंगे तो इस्तीफा देंगे। लेकिन तब उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया और अभी जब किसी ने इसकी उम्मीद नहीं की थी तो उन्होंने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। उनका इस्तीफा कई स्थितियों का मिलाजुला प्रतिफल है। इसके पीछे पांच महीने बाद होने वाले चुनाव की रणनीति तो है लेकिन कुछ और स्थितियां भी हैं। जैसे केजरीवाल की पार्टी चाहे जो भी दावे करे लेकिन उनको पता था कि सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की जो शर्तें लगाई हैं, उससे उनके हाथ बंधे हैं। वे कोई बड़ा नीतिगत फैसला नहीं कर पाएंगे। अगर सरकार लोक लुभावन फैसले करती है तो उप राज्यपाल द्वारा रोके जाने का अलग खतरा है। ऐसे में अगर वे खुद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहते हैं तो चुनाव में जनता को जवाब देना भारी पड़ेगा। दूसरे, उनको यह अंदाजा हो गया था कि गिरफ्तारी से ज्यादा सहानुभूति नहीं पैदा हुई है इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ कर सहानुभूति हासिल करने का प्रयास किया है। उनको पता है कि विधानसभा का कार्यकाल पांच महीने से भी कम बचा है। इसलिए नाखून कटा कर शहीद होने में कोई समस्या नहीं है। वे साढ़े नौ साल से ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं। एक कारण यह भी है कि वे भ्रष्टाचार के मसले पर भारतीय जनता पार्टी को जवाब देना और दिल्ली के मतदाताओं को मैसेज देना चाहते थे। दिल्ली शराब नीति केस में नाम आने और गिरफ्तारी के बाद से ही भाजपा के नेता अरविंद केजरीवाल से मुख्यमंत्री पद छोडने की मांग कर रहे हैं। जेल से निकलने के बाद भी इस्तीफे की मांग थमी नहीं है। केजरीवाल ने अब इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। सो, अब वे भाजपा नेताओं के हर हमले का जवाब सकेंगे कि उन्होंने तो इस्तीफा दे दिया।

ग़ज़ल

यक़ीं है दिल को के आएंगे दिन बहार के भी
कटेंगे कैसे मगर ये दिन इंतिज़ार के भी

मिली है हिज्र की तकलीफ़ बस मुहब्बत में
हमें मिला ही है क्या तुझपे जॉ–निसार के भी

गुलों की सेज भी काँटों की तरह लगने लगी
के फूल मुरझा गए दिल में ऐतिबार के भी

मिलन की छोड़ न उम्मीद दिल उदास न हो
वो मिलने आएंगे इक दिन दिल अपना हार के भी

कोई ज़ुरूरी नहीं ख़्वाहिशों को अर्श मिले
तमाम उम्र गुज़रती है मन को मार के भी

उसे संवारने में ज़िंदगी गुज़ार दूँ क्या,
अब अपनी देखनी है ज़िंदगी संवार के भी

मुहब्बतों के दरख़्तों की शाख़ों पर ऐ कनक
कई परिंदे मिले सरहदों के पार के भी

-डा कनक लता तिवारी

ओबीसी आरक्षणाला धक्का न लावता , ओबीसीच्या आरक्षणा मधून मराठा समाजाला आरक्षण देणे शक्य ; कर्पूरी ठाकूर फार्मूला वापरून सर्वोच्च न्यायालयाच्या निकालाप्रमाणे ओबीसी आरक्षणचे उपवर्गीकरण हा एकमेव पर्याय..

- आरक्षण अभ्यासक /माजी खासदार हरिभाऊ राठोड.

राज्यातील मराठा आरक्षणाचा जटिल प्रश्न सोडविताना ,ओबीसी आरक्षणा ला धक्का लागू नये ,हा सुद्धा एक जटिल प्रश्न आहे ,मराठा समाजाला आरक्षण मिळेल आणि ओबीसी आरक्षणाला धक्काही लागणार नाही ,असा एक प्रस्ताव माजी खासदार तथा आरक्षण अभ्यासक हरीभाऊ राठोड यांनी शासनाला सादर केला आहे.

त्यांच्या प्रस्तावामध्ये शासनाने खालील प्रमाणे तातडीने कार्यवाही करावी ,आणि उपोषनकर्ते मनोज जरांगे पाटील ,लक्ष्मण हाके, घ्ड. ससाने, नवनाथ वाघमारे या सर्वाचे जीव वाचवावे आणि दोन मोठे समाजातील संघर्ष टाळावा, जेणेकरून येणाऱ्या निवडणूका निरूपक्ष आणि सामाजिक सुलोखा राखून करता येईल.

टप्पा क्रमांक १).

ओबीसींना असलेले २७% आरक्षणाची मर्यादा ४८% पर्यंत वाढविता येईल, कारण सर्वोच्च न्यायालयाच्या एका निकालाप्रमाणे याचिका क्रमांक २५६ /१९९४ प्रमाणे राज्यात बांटिया आयोग आणि शुक्रे आयोग यांच्या अहवाला प्रमाणे ओबीसीचा इम्प्रिकल डाटा मिळाला आहे. सर्वोच्च न्यायालयाच्या निर्देशानुसार आरक्षणाची ५० टक्क्याची मर्यादा वाढवून देता येईल.

टप्पा क्रमांक २).

संपूर्ण मराठा समाजाला कुणबी तत्सम जाहीर करून ओबीसीच्या अनुक्रमांक ८३ वर त्यांना आणता येईल.

टप्पा क्रमांक ३).

आरक्षणाचे तत्व आणि इंद्रा सहानी प्रकरणी ११ सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांनी दिलेल्या निर्देशानुसार कुणबी मराठा एक आणि तत्सम असल्यामुळे ,ओबीसीचे उपवर्गीकरण करताना त्यांना वेगळे आरक्षण दिल्यास ओबीसीच्या मूळ २७% आरक्षणाला धक्का लागणार नाही, आणि कुणबी मराठ्यांना स्वतंत्र वेगळा आरक्षण मिळेल.

टप्पा क्रमांक ४).

वरील प्रमाणे ओबीसी आरक्षणाची टक्केवारी वाढविल्यानंतर भटके आणि धनगर प्रत्येकी ०.५ टक्का तर वंजारी आणि विमुक्त प्रत्येकी १ टक्का आरक्षण वाढवून देता येईल, तसेच बारा बलुतेदार, विश्वकर्मा या समाजाला सुद्धा ओबीसीतून वेगळा प्रवर्ग तयार करून वेगळे स्वतंत्र आरक्षण देता येईल. वरील प्रमाणे सर्वोच्च न्यायालयाच्या निर्देशानुसार भारतरत्न कर्पूरी ठाकूर फार्मूल्यानुसार सर्वोच्च न्यायालयाच्या उपवर्गीकरण करण्याच्या निर्देशानुसार आणि राज्यामध्ये असलेल्या प्रचलित वसंतराव नाईक आणि तत्कालिन मुख्यमंत्री शरद पवार यांनी ओबीसी आरक्षणाचे उपवर्गीकरण केल्यानुसार हा जटील प्रश्न सोडवणे शक्य आहे, आणि एकमेव पर्याय आहे, अन्यथा उपोषणकर्त्यांना आणि सरकारला कुठल्याही पर्याय शिल्लक राहिलेला नाही.

आपला,
हरिभाऊ राठोड
(आरक्षण अभ्यासक तथा
माजी खासदार)

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस (World Ozone Prevention Day) पर विशेष...

विश्व ओजोन दिवस (**World Ozone Day**) हर साल पूरी दुनिया में 16 सितंबर को मनाया जाता है। ओजोन दिवस मनाने का हमारा मुख्य उद्देश्य है क्षय होती ओजोन परत (**Ozone Layer**) के प्रति लोगों में जागरूकता लाना. ओजोन लिए मॉन्ट्रियल समझौता को दुनिया का सबसे सफल पर्यावरण समझौता माना जाता है। इस संधि को 16 सितंबर 1987 को साइन किया गया था। इस वियना संधि के तहत ओजोन परत के संरक्षण का संकल्प सभी देशों द्वारा लिया गया था। अगर ओजोन परत न होती तो– वायुमंडल में 20 से 40 किलोमीटर के बीच पाई जाने वाली ओजोन परत पृथ्वी को सूर्य से आने वाली हानिकारक अल्ट्रा वायलट किरणों से बचाती है। अगर ओजोन परत न हो तो मानव जीवन सकट में पड़ सकता है, क्योंकि अल्ट्रा वाइलट किरणें अगर सीधे बिना ओजोन से गुजरे धरती तक पहुंच जाए तो न सिर्फ मनुष्य बल्कि पेड़–पौधों और जानवरों के जीवन के लिए खतरनाक साबित हो सकती है,ये किरणों हमारे शरीर कैंसर जैसी भयानक बीमारियों का कारक बन सकती है ऐसे में ओजोन परत का संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण है।

ओजोन परत इंसानों द्वारा पर्यावरण को पहुंचने वाले नुकसान से लगातार प्रभावित हो रही है और धीरे–2 क्षय होती जा रही है ऐसे में अगर इसे नहीं रोका गया तो मानव जीवन के लिए बड़ा संकट पैदा हो जाएगा। इस गंभीर संकट को देखते हुए दुनियाभर में इसके संरक्षण को लेकर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। विश्व समुदाय द्वारा ओजोन परत के संरक्षण के तीन दशकों के उल्लेखनीय योगदान को याद करना है जिसमें हमें काफी हद तक सफलता मिली है। ओजोन परत संरक्षण के प्रयासों ने 1990 से 2010 तक अनुमानित 135 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन को रोककर जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में योगदान दिया है। ओजोन डिप्लेशन के वैज्ञानिक मूल्यांकन 2018 से पता चला कि 2000 के बाद से ओजोन परत के कुछ हिस्से प्रति दशक 1–3: से ठीक हो रहे हैं। कोरोना काल में भी ओजोन लेयर की गिरावट में स्वत ही कुछ कमी आई है . ससम्मान.

–संजय वर्मा (स्वतंत्र पत्रकार सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेल) एवं सचिव
इंडियन साइंस रायटर्स एसोसिएशन (**ISWA**) (उ प्र) (गोरखपुर)

बोलना सबको आता है

किसी की जुबान बोलती है, किसी की नीयत बोलती है
किसी का पैसा बोलता है, किसी का समय बोलता है
और किसी का पद बोलता है, परन्तु अंत में ईश्वर के सामने
बस व्यक्ति का कर्म बोलता है।

हमारे कत्ल का सामान जो सजाकर बैठे हैं
आज दिल हम उसी जालिम से लगा बैठे हैं
लगता है आज वो घायल करके ही मानेंगे
आज वो अपने रुख से पर्दा उठाये बैठे हैं

दयाराम दर्द फिरोज़ाबादी

86 वर्षीय ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव राजयोगी निर्वैर भाई का देवलोकगमन

√कुछ समय से चल रहे थे अस्वस्थ, अहमदाबाद के अपोलो हॉस्पिटल में ली अंतिम सांस

√ 55 साल से संस्थान में समर्पित रूप से दे रहे थे सेवाएं

√ नौ साल तक भारतीय नौसेना में दी सेवा

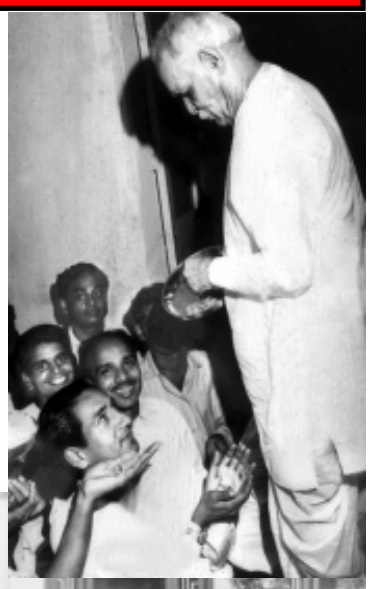

आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के महासचिव 86 वर्षीय राजयोगी बीके निर्वैर भाई का देवलोकगमन हो गया। अहमदाबाद के अपोलो हॉस्पिटल में गुरुवार रात 11.30 बजे अंतिम सांस ली। वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से ब्रह्माकुमारीज़ परिवार में शोक की लहर है। देश–विदेश में स्थित सेवाकेंद्रों पर ध्यान–साधना का दौर चल रहा है। उनकी पार्थिक देह को अंतिम दर्शन के लिए मुख्यालय शांतिवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में शुक्रवार सुबह 9 बजे से लोगों के दर्शनार्थ रखा गया। वहीं 21 दिसंबर को माउंट आबू स्थित पांडव भवन, ज्ञान सरोवर, ग्लोबल हॉस्पिटल, म्यूजियम की यात्रा करते हुए 22 सितंबर को सुबह 10 बजे आबू रोड मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा। पार्थिव शरीर शांतिवन आने पर संस्थान प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके मुन्नी, बीके शशि, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, मीडिया प्रमुख बीके करुणा, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, अमेरिका से आयी बीके गायत्री समेत सैकड़ों लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

मीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने बताया कि बीके निर्वैर भाई के फेफड़ों में इन्फेक्शन होने पर 5–6 दिन पहले अहमदाबाद के अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां पर गुरुवार रात में अचानक अटैक आने से निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही देशभर से संस्थान के वरिष्ठ ब्रह्माकुमार भाई–बहनों का शांतिवन पहुंचना शुरू हो गया है।

भाईसाहब का जीवन परिचय

एक वर्ष की उम्र में मां का छूटा साथ–

पंजाब के गुरदासपुर में 20 नवंबर 1938 को अकाली परिवार जन्मे बीके निर्वैर भाई का बचपन से ही धर्म–अध्यात्म के प्रति विशेष लगाव लगा। आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि संभ्रांत के साथ आध्यात्मिकता से ओत–प्रोत रही। एक वर्ष की उम्र में ही आपके जीवन से माँ का साया उठ गया। इसके बाद भाईयों ने परवरिश की। होश संभाला ही नहीं था कि तब नौ वर्ष की उम्र में 15 अगस्त, 1947 में देश की आजादी की ख़बर सुनी और पिता भी पुराने शरीर से मुक्त होकर इस दुनिया से विदा हो गए। तीन भाइयों में सबसे छोटे राजयोगी निर्वैर भाई के पालन–पोषण में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं आयी और भाइयों ने माता–पिता का प्यार देकर बड़ा किया। उनका जन्म भले ही अकाली परिवार में हुआ परन्तु उनके जीवन का झुकाव आध्यात्मिकता के प्रति लगातार बढ़ता रहा।

लगातार बदलता रहा स्कूल–

आपकी प्रारम्भिक शिक्षा कई स्कूलों में हुई। लगातार उनके स्कूल बदलते रहे। प्राइमरी से लेकर दसवीं तक उर्दू में पढ़ाई पूरी हुई। प्रथम कक्षा पंगाला और फिर कक्षा दो से लेकर चौथी क्लास तक ओजनवाला स्कूल में हुई। फिर इसके बाद पांचवी से लेकर आगे तक मुकेरिया के एंग्लो संस्कृति हाई स्कूल में अध्ययन कार्य पूरा हुआ। बचपन से ही मेधावी होने के कारण उन्हें चौथी क्लास से स्कॉलरशिप मिलने लगी थी।

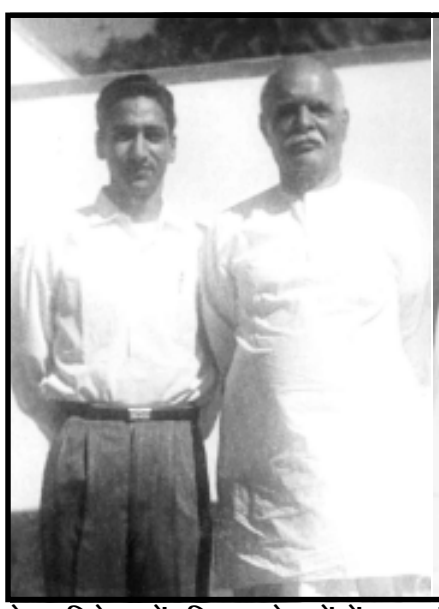

किताबों ने मोड़ा ज़िन्दगी का रुख़–

राजयोगी निर्वैर के बड़े भाई की घर में ही बड़ी लाइब्रेरी थी। उनके बड़े भाई उन्हें पढ़ने के लिए ज्ञानवर्धक किताबें दिया करते थे परन्तु इनका मन स्वामी रामतीर्थ की किताबें पढ़कर ही तृप्त हो जाता था। हाई स्कूल की पढ़ाई के दौरान स्वामी विवेकानंद की किताबों से ज्यादा लगाव बढ़ गया। इस पर उन्होंने स्वामी विवेकानंद

नायब सिंह
NAYAB SINGH

D.O. No. CMH-2024- 54/(CM(R))

मुख्य मन्त्री, हरियाणा,
चण्डीगढ़।

CHIEF MINISTER, HARYANA,
CHANDIGARH

Dated 20/09/2024

शोक संदेश

ब्रह्माकुमारी संस्था के महासचिव परम आदरणीय ब्रह्माकुमार निर्वैर भाई साहेब ने 19 सितम्बर 2024 को अपनी नश्वर देह का त्याग किया। मैं उनके निधन पर हार्दिक शोक व्यक्त करता हूं।

भारत की आजादी के बाद आपने इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियर के रूप में नौ वर्षों तक भारतीय नौसेना में सेवा की और अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा को अर्पित किया।

नेवी के उज्जवल भविष्य को 1963 में आपने त्याग कर ब्रह्माकुमारी संस्था में मानवता की सेवार्थ अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके जीवन मूल्य एवं सद्व्यवहार सदैव समाज को प्रेरित करते रहेंगे।

मेरी सर्वशक्तिमान ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व ब्रह्माकुमारी परिवार को इस दुख को सहन करने का सामर्थ्य दें।

(नायब सिंह)

The Managing Trustee,
Global Hospital & Research Centre,
Mount Abu.

के बताए चार प्रकार के योग को बड़ी बारीकी से अध्ययन करते और प्रातः काल अभ्यास करते थे। यहाँ से ही आध्यात्मिकता के प्रति झुकाव लगातार बढ़ता गया।

बोर्डिंग में हुई पढ़ाई, घोड़े से जाते थे स्कूल

आपकी स्कूली शिक्षा बोर्डिंग में रहकर हुई। सन् 1953 में शिक्षण के दौरान उन्हें स्कूल घोड़े और साइकिल से जाना बेहद पसन्द था। इनका स्वभाव अन्य लड़कों से स्वभाव बिल्कुल अलग था। जल्दी सो जाना और जल्दी उठना बचपन से ही आदतों में शुमार था। हमेशा सीखने की आदत और अच्छा करने का जज्बा मकसद था। 16 वर्ष की उम्र में नेवी में इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर पद के लिए चयन हो गया और इन्टेसिव के लिए विशाखापट्नम चले गए। सन् 1955 में कुछ महीने रहने के बाद फिर वे लोनावाला चले गए और वहाँ डेढ़ वर्ष तक रहकर पानी के जहाज में हर तरह की ट्रेनिंग ली। इसके बाद गुजरात के जामनगर में ट्रांसफर हो गया। जामनगर में रहकर प्रशिक्षण लेते रहे और इन्टेसिव पूरी हो गई। जहाज में ही रडार से लेकर सारी चीजों का बारीकी से प्रशिक्षण लेकर इलेक्ट्रॉनिक के क्षेत्र में पारंगत हो गए थे।

पुणे में ली इंजीनियरिंग की ट्रेनिंग

इसी दौरान पुणे के इंजीनियरिंग कॉलेज में जहाज की सभी चीजों को बड़ी गहनता से देखते हुए प्रशिक्षण लिया। रहने से खाने–पीने तक सारी चीजों को बारीकी से समझा और देखा। फिर तो हर एक चीज में प्रवीण हो गए थे क्योंकि नेवी में इस बात की गहन ट्रेनिंग दी जाती है कि यदि आप जहाज में किन्हीं कारणों से अकेले हो गए तो भी जहाज को डूबने नहीं देना है। उस जमाने में भी नेवी में शानदार व्यवस्था थी। इसके साथ रडार की पूर्ण जानकारी होने के कारण रडार कन्ट्रोल रूम की भी जिम्मेवारी दी गई।

1960 में ब्रह्मा बाबा से मिलने के बाद बदल गई जीवन की दिशा–

वर्ष 1959 की बात है। पंजाब में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की शुरुआत हुई। अध्यात्म और योग में रुचि होने के कारण आप संस्थान से जुड़ गए और नियमित रूप से आध्यात्मिक सत्संग में भाग लेने लगे। लेकिन माउंट आबू में वर्ष 1960 में संस्थापक ब्रह्मा बाबा से मिलने के बाद आपके जीवन की दिशा बदल गई। तभी आपने निश्चय कर लिया कि अब पूरा जीवन समाजसेवा और विश्व कल्याण के लिए समर्पित करना है। इसके बाद आपने भारतीय नौसेवा से इस्तीफा देकर पूरी माउंट आबू आए और यहीं के होकर रह गए। आप पिछले 55 साल से अपनी सेवाएं दे रहे थे।

और मिल गई नेवी से छुट्टी–

एक बार अपना अनुभव सुनाते हुए बीके निर्वैर भाई ने बताया था कि बाबा ने कहा था कि प्रतिदिन आठ घंटा योग करने से असम्भव भी सम्भव हो जाता है। उस समय हमने एक महीने तक प्रतिदिन आठ घंटा योग किया और नेवी से छुट्टी मिल गई। तब बाबा ने मुझे 1969 में माउंट आबू में म्यूजियम बनाने की सेवा दी। बाबा के देहावसान के बाद में 1970 से माउंट आबू में आकर पूर्ण रूप से समर्पित हो गया। उसके बाद धीरे–धीरे दादी प्रकाशमणि तथा दीदी मनमोहिनी के साथ ईश्वरीय सेवाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। इसके बाद संस्था की गतिविधियों और इसे वैश्विक स्तर पर सेवा करने के अवसर मिलते रहे।

गंभीर व्यक्तित्व के थे धनी–

सेवा के प्रति लगन, समर्पण और तीक्ष्ण बुद्धि के चलते कुछ ही समय में ब्रह्मा बाबा ने आपको महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी। इस तरह आपको जीवन में जो भी जिम्मेदारी मिली उसे पूरे मनोभाव और लगन से निभाया। सेवा–साधना के पथ पर आगे बढ़ते हुए आप संस्थान के महासचिव बने। आपके समर्पण भाव का ही कमाल है कि ब्रह्माकुमारीज़ में मुख्य पदों पर नारी शक्ति होने के बाद भी आपको संस्थान की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई। आपके दिशा–निर्देश और मार्गदर्शन में देश–विदेश में बड़े स्तर पर सेवाओं को नया आयाम दिया गया। आप गंभीर स्वभाव के धनी थे। कोई भी ब्रह्माकुमार भाई–बहनें आपके पास किसी तरह की समस्या लेकर जाते तो आप उसका उचित रूप से समाधान देते थे।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सम्मेलन में लिया भाग–

वर्ष 1982 में बीके निर्वैर भाई ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित निरस्त्रीकरण (व्) पर दूसरे विशेष सत्र में विश्व विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। जहां उन्होंने आधिकारिक तौर पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव जेवियर पेरेज़ डी कुएलर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात की। इसके अलावा मुख्यालय शांतिवन में हर वर्ष होने वाली राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की अध्यक्षता की।

विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा गया–

– वर्ष 1999 में इंटरनेशनल पेंगुइन पब्लिशिंग हाउस द्वारा श्राइजिंग पर्सनालिटीज ऑफ इंडिया अवॉर्ड

– वर्ष 2001 में गुजरात के राज्यपाल द्वारा गुजरात गौरव पुरस्कार के तहत श्मोरारजी देसाई शांति शिक्षा अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया।

– इसके अलावा समय प्रति समय कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा आपको सम्मान किया गया।

मुख्यालय के मैनेजमेंट में रही अहम भूमिका–

वर्ष 1974 से लेकर आज तक ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय के शांतिवन परिसर, मनमोहिनीवन, आनंद सरोवर, मान सरोवर, ज्ञान सरोवर के निर्माण से लेकर मैनेजमेंट में आपकी अहम भूमिका रही। आपके कुशल मार्गदर्शन में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए।

ग्लोबल हॉस्पिटल के थे ट्रस्टी–

ग्लोबल हॉस्पिटल की स्थापना और संचालन में आपने शुरू से अब तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आप हॉस्पिटल के मुख्य ट्रस्टी थे। साथ ही आपके ही मार्गदर्शन में 50 एकड़ में बनने वाले ग्लोबल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का हाल ही में भूमिपूजन किया गया था।

....लगा शरीर से अलग हो रहा हूँ

जब मैं ईश्वरीय ज्ञान से नहीं जुड़ा था तब मैं स्वामी रामतीर्थ तथा स्वामी विवेकानन्द द्वारा बताये गये योग करता था। एक दिन मैं योग कर रहा था इतने में मुझे लगा कि मैं शरीर से अलग हो रहा हूँ। यह मेरे लिए ज़िन्दगी के अमूल्य क्षण थे। उसी समय संकल्प आया कि क्या मैं वापस आऊंगा या नहीं तब तक मैं पुनः चेतना में आ गया यह ज़िन्दगी का महत्वपूर्ण पल पनडुब्बी में लम्बे समय अन्दर रहता पड़ता था। उस दौरान मेरी पोस्टिंग मुम्बई हो गयी थी।

वैकुण्ठी यात्रा का यह रहेगा कार्यक्रमः शांतिवन से प्रातः 8 बजे प्रस्थान, 9 बजे ज्ञान सरोवर आगमन, 10 बजे ज्ञान सरोवर से प्रस्थान, 10.15 बजे हास्पिटल आगमन, 11 बजे हास्पिटल से प्रस्थान, 11.15 बजे पांडव भवन, 1.45 म्यूजियम, 3.00 बजे मनमोहिनीवन से शांतिवन आगमन।

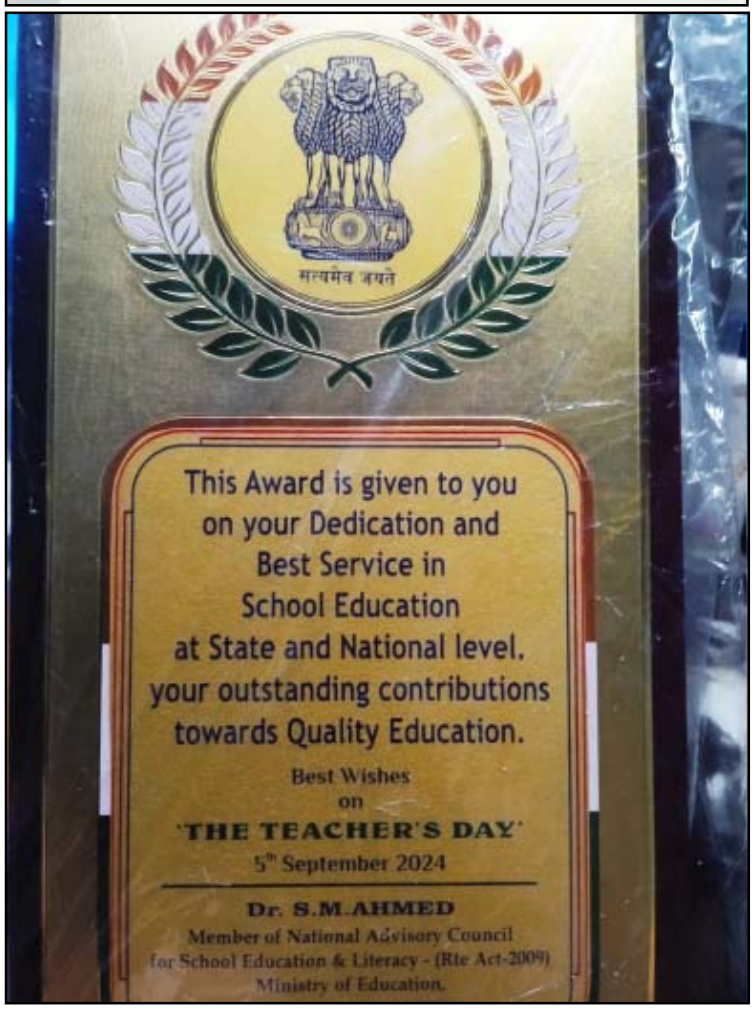

अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महा सभा (महिला प्रकोष्ठ) की विदुशी राष्ट्रीय अध्यक्षा डॉ. सीमा मिश्रा जी (शिक्षाविद्) को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली, से राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार– सम्मान–२०२४ मिलने पर अन्तरमन से हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं। ईश्वर आपको स्वस्थ, सक्रिय एवं सुमरुध रखे। यही कामना है हमारी।

पुनः महा सभा की और से हम सभी की आदर्श–समाजिक नेत्री एवं अनुसन्धानत्री डॉक्टर सीमा जी एवं देश के समस्त शिक्षक– गुरुजनो को शिक्षक दिवस की बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं।

श्रीमति.सुषमा तिवारी,
राष्ट्रीय उपाधध्यक्ष (महिला प्रकोष्ट)।
अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा, कानपुर।

उत्कर्ष मंदिर, मालाड के छात्रों की कर्जत कृषि अनुसंधान केंद्र की यात्रा रही स्मरणीय

कर्जतः महाराष्ट्र कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान परिषद, पुणे और डॉ. बालासाहेब सावंत कोकण कृषि विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद के सदस्य विनायक काशिद की प्रेरणा से शिक्षण प्रसारक मंडल, मालाड की उत्कर्ष मंदिर स्कूल के २१६ छात्रों की कर्जत के प्रादेशिक कृषि अनुसंधान केंद्र में भ्रमण और सह्याद्री अतिथि गृह में आयोजित शविद्यार्थी–वैज्ञानिक संवादश कार्यक्रम विशेष रूप से स्मरणीय रहा.

इस कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. बालासाहेब सावंत कोकण कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश शिनगारे थे, जबकि प्रमुख अतिथि उद्यमी विनायक काशिद रहे. विशेष याने महाराष्ट्र कृषि शिक्षा और अनुसंधान परिषद के महासंचालक रावसाहेब भागडे और डॉ. बालासाहेब सावंत कोकण कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. संजय भावे वीडियो कॉन्फरन्सिंग के माध्यम से उपस्थित थे.

मंचपर सहयोगी अनुसंधान निदेशक डॉ. भरत वाघमोडे, प्रगतिशील किसान और उद्यमी श्रीधर गांगल, उत्कर्ष मंदिर की प्रधानाचार्या प्रतिभा अडूरकर, कृषिविद्या वैज्ञानिक डॉ. विजय सागवेकर, मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत मेश्राम और खार जमीन अनुसंधान केंद्र के प्रभारी डॉ. प्रवीण वणवे उपस्थित थे.

कुलगुः डॉ. भावे ने कहा कि, खेती जैसा लाभकारी व्यवसाय अन्य कोई नहीं है. भविष्य में कोरोना महामारी जैसी चुनौतियों के बावजूदभी शिक्षा और कृषि लगातार जारी रहेंगे. विद्यार्थियोंने कृषि क्षेत्र में अवसरों की पहचानकर खुद का व्यवसाय शुरू करने की मानसिकता अपनानी चाहिए. महासंचालक भागडे ने विद्यार्थियों को कृषि अनुसंधान केंद्र में लाकर कृषि विषयक जानकारी प्रदान करने के इस उपक्रम की सराहना की. उन्होंने विभिन्न कृषि डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों और उनसे जुड़ी रोजगार की संभावनाओं के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी. उन्होंने भविष्य में जर्मनी में संभावित रोजगार के अवसरों पर भी चर्चा की और विद्यार्थियोंको जर्मन भाषा सीखने का सुझाव दिया.

उद्यमी विनायक काशिद ने विद्यार्थियों को उच्च लक्ष्य रखने और तन्मयतासे अभ्यास कर उसे हासिल करने का आग्रह किया, साथ ही कृषि क्षेत्र में ,उपलब्ध अनंत अवसरों का लाभ उठाने की बात कही.

अध्यक्षीय मार्गदर्शन में डॉ. शिनगारे ने कृषि क्षेत्र में अनुसंधान के कार्योंसे उत्पादकता में वृद्धि के बारे में बताया. अमेरिकन मिलो आयात करवानेवाला हमारा देश अनाज निर्यातदार तो बनाही साथही आज बफर मानांकन सेभी ज्यादा अनाज भांडार देश मे उपलब्ध है, ऐसा गौरवपूर्ण उल्लेख उन्होने किया. अपनी व्यक्तिगत यशकथा साझा करते हुये जब उन्होने कहा कि एक गरीब परिवार का लडका जिसे बिना चप्पल के स्कूल जाना पडता था वो आज विश्वविद्यालय का श्अनुसंधान निदेशक श बना है, तो सभागार तालियोंसे गुँज उठा. विद्यार्थियों को उन्होंने दृढ इच्छाशक्ति और जिद बनाए रखने की सलाह दी.

कार्यक्रम में प्रतिभा अडूरकर और शिक्षक प्रतिनिधि रंगनाथ गोड ने भी अपने विचार साझा किए. प्रास्ताविक में डॉ. भरत वाघमोडे ने अनुसंधान केंद्र की देदीप्यमान उपलब्धियों का जायजा लिया. कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रसार शिक्षा वैज्ञानिक डॉ. रवींद्र मर्दाने ने किया. अंत में, सहभागी विद्यार्थियोंको मान्यवरों द्वारा प्रमाणपत्र वितरित किए गए. इस अवसर पर विभिन्न विभागों के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और मालाड के शिक्षक भी उपस्थित थे.

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।